केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 295 रविवार 19 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

शराबी पिता के विरूद्ध बेटा, बेटी ने दर्ज कराया मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गौर थानाक्षेत्र के ढोढरी गांव में पिता द्वारा पुत्र–पुत्री के पिटाई का मामला प्रकाश में आया है। बेटी के तहरीर पर पुलिस ने पिता के विरुद्ध मारने–पीटने व धमकी देने की धारा में मुकदमा दर्ज किया है। गांव निवासी आभा पांडेय पुत्री रविचन्द्र पाण्डेय ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया है कि आए दिन उसके पिता शराब के नशे में धुत होकर घर आते हैं। उसे उसके भाई व उसकी मां को मारते–पीटते हैं। जान से मारने की धमकी भी देते हैं। यही नहीं घर की सम्पत्ति को बेच रहे हैं। मना करने पर उसे व उसके भाई को मारपीट कर घायल कर दिया है। दो दिन पहले भी मारे–पीटे हैं। उसके पिता कभी भी मेरी व भाई सहित उसकी मां की हत्या कर सकते हैं। इस बाबत प्रभारी निरीक्षक गौर रामकुमार राजभर ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच–पड़ताल की जा रही है।

बेटा और बेटी द्वारा पिता के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने का मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

किसान पाठशाला 6 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। खरीफ सत्र 2024 में ग्राम पंचायत स्तरीय गोष्ठियों में किसान पाठशालाओं का आयोजन 06 से 20 जून 2024 तक किया जायेगा। उक्त जानकारी संयुक्त निदेशक, कृषि अविनाश चन्द्र तिवारी ने दी है। उन्होने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक ग्राम पंचायत हेतु 02 मुख्य फसलों जो फसल बीमा हेतु अधिसूचित हो, को चिन्हांकित कर कृषकों को फसल उत्पादन हेतु नवीनतम तकनीकी की जानकारी दी जायेगी।

उन्होने बताया कि किसान पाठशाला में उस विकास खण्ड में पुरस्कृत/प्रगतिशील कृषक के द्वारा अधिक उत्पादन करने के सम्बन्ध में वार्ता कराकर कृषकों को प्रेरित किया जायेगा तथा मानदेय के रूप में रू0 500–00 दिया जायेगा। किसान पाठशाला में एफ0पी0ओ0 के गठन/पराली प्रबन्धन/डिजिटल क्राप सर्वे/ आपदा प्रबन्धन/प्राकृतिक खेती एवं कृषि एवं सहयोगी विभाग उद्यान, मत्स्य, पशुपालन, गन्ना, रेशम आदि विभागों द्वारा संचालित योजनाओं तथा चिन्हित फसल उत्पादन की तकनीकी जानकारी दी जायेगी।

अपर पुलिस अधीक्षक ने किया छावनी थाने का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
छावनी (बस्ती)। छावनी थाने पर शुक्रवार देर रात पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने पुलिस क्षेत्राधिकारी के अशोक कुमार मिश्र के साथ औचक निरीक्षण कर पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। थाने पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक ने अपराध रजिस्टर, कार्यालय सहित विभागों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों को लेकर बस्ती पुलिस पूरी तरह चौकन्ना है वह अपनी हर गतिविधियों पर अपनी पैनी नजर बनाये हुये है। चुनाव को देखते हुये आगामी 22 व 23 मई को सुरक्षा बलों द्वारा विधानसभा क्षेत्र में संवेदनशील, अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर एरिया डॉमिनेशन कर सुरक्षा का अहसास कराया जायेगा। थाने पर पुलिस कर्मियों के साथ बैठक कर अपराधिक कार्यवाही के अलावा चुनाव के दृष्टिगत की जाने वाली कार्यवाहियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी, उपनिरीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह, अनिरुद्ध यादव, राम कुमार सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

पाकिस्तान के हाथों में पहले बम थे, अब भीख का कटोरा–पीएम मोदी

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के अंबाला में शनिवार को चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर अपना हमला तेज करते हुए कहा कि यह उनकी धाकड़ सरकार थी, जिसने अनुच्छेद 370 की दीवार को गिरा दिया। इसी के चलते कश्मीर अब विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि जब देश में धाकड़ सरकार होती है, तो दुश्मन कुछ भी करने से पहले 100 बार सोचता है। उन्होंने कहा कि जिस पाकिस्तान के हाथों में पहले बम थे, अब उसके हाथों में भीख का कटोरा है। मोदी ने कहा कि जब धाकड़ सरकार होती है, तो दुश्मन घबरा जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास भारत की सेनाओं और सैनिकों को धोखा देने का रहा है। उन्होंने जीप घोटाले का जिक्र किया, जो कि कांग्रेस शासन के दौरान पहला घोटाला था।

पीएम मोदी ने हरियाणा में लोकसभा चुनाव की अपनी पहली रैली को संबोधित करते हुए उपस्थित जनसमूह से सवाल किया। उन्होंने पूछा, 'क्या एक कमजोर सरकार जम्मू–कश्मीर में हालात बदल सकती थी?' सशस्त्र बलों में हरियाणा की ओर से बड़ी संख्या में सैनिकों के योगदान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो हरियाणा में माताएं अपने बच्चों की सुरक्षा के बारे में सोचकर चिंतित थीं। मोदी ने वहां मौजूद लोगों से पूछा, 'क्या अब ऐसी चीजें बंद हो गई हैं या नहीं?' इस पर रैली में जुटे लोगों ने जोर से हां में जवाब दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'मोदी की धाकड़ सरकार ने अनुच्छेद 370 की दीवार को गिरा दिया और कश्मीर अब विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।' भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र ने अगस्त 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त कर दिया, जिसने जम्मू–कश्मीर को विशेष अधिकार प्रदान किए थे और तत्कालीन राज्य को केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था। मोदी ने कहा कि 4 जून में केवल 17 दिन बचे हैं, जब लोकसभा चुनाव के

जेल का खेल न खेलें पीएम– केजरीवाल

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार को शाम पांच बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोला। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रविवार दोपहर 12 बजे भाजपा मुख्यालय अपने सभी विधायकों और एमपी व पार्टी के सभी बड़े नेताओं के साथ आ रहे हैं। पीएम मोदी जिस–जिस नेता को गिरफ्तार करना चाहते है उन्हें गिरफ्तार कर सकते हैं। यह आप के सभी नेताओं को जेल में डालना चाहते हैं। आज मेरे निजी सचिव के साथ भी यही किया। अब सौरभ, आतिशी को जेल में डालना चाहते हैं। प्रधानमंत्री, एक–एक करके क्या आप हम लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं? एक साथ सभी को गिरफ्तार कर लीजिए।

कहा कि आप देख सकते हैं कि वे किस तरह से 'आप' के पीछे पड़े हैं। मैं प्रधानमंत्री से कहना चाहूंगा। आप यह 'जेल का खेल' खेल रहे हैं। रविवार को मैं अपने सभी शीर्ष नेताओं, विधायकों, सांसदों के साथ दोपहर 12 बजे भाजपा मुख्यालय आ रहा हूं। आप जिसे चाहें जेल में डाल सकते हैं। 'आप' एक पार्टी नहीं बल्कि विचार है। हालांकि अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान स्वाति मालीवाल को लेकर कुछ भी नहीं कहा।

रूपये के लेन देन के विवाद में पत्नी ने पति को मार डाला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। पैसे के लेनदेन के विवाद में पत्नी ने पति की धारदार हथियार से कत्ल कर दिया। घटना जिले के परसरामपुर थानाक्षेत्र के रतनपुर गांव की है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार की देर रात पति–पत्नी में बेची गई जमीन की छह लाख रुपयों को लेकर विवाद हो गया। मामला इस कदर बढ़ गया कि पत्नी ने ही अपने पति को मार डाला। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर उसे पीएम के लिए भेज दिया है। हत्या के मामले की जांच–पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक मृतक राजमनी वर्मा (42) क्षेत्र के रतनपुर गांव का रहने वाला था। कुछ दिन पहले उसने अपनी जमीन छह लाख रुपये में बेच दी थी। राजमनी वर्मा बेची गई जमीन से मिले रुपयों से शराब पीने लगा था। उस पैसों को उसकी पत्नी मांग रही थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच तकरार इतनी बढ़ गई। कि पत्नी ने धारदार हथियार से पति पर हमला कर उसे मार डाला। शनिवार की सुबह पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने को भेज दिया है। राजमनी का भरा–पूरा परिवार बताया जा रहा है। बड़ी बेटी पूजा की शादी कर चुका है। दो बेटे सूरज (24) और आशीष (20) हैं। पुलिस परिवार के सदस्यों से पूछताछ में जुटी हुई है।

घटना की जानकारी हुई है। राजमनी के घरवालों की तरफ से अभी कोई तहरीर नहीं दी है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। विधिक कार्रवाई की जा रही है। तहरीर के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसान के बंद खाते में आ गये 99 अरब रुपये

भदोही (आभा)। यूपी के भदोही जिले में एक किसान रातों रात अरबपति बन गया। किसान का जो खाता बंद था उसमें अचानक से अरबों रुपये जमा हो गए। पहले तो किसान को यकीन ही नहीं हुआ। मोबाइल पर आए मैसेज से किसान कुछ समझ नहीं पाया। फिर उसने मोबाइल का मैसेज किसी दूसरे व्यक्ति से पढ़वाया तो पता चला कि उसके खाते में बहुत सारे पैसे जमा हुए हैं। किसान जब बैंक पहुंचा तो उसकी बात सुनकर बैंककर्मियों पर दंग रह गए। बैंकर्मियों ने खाता चेक किया तो उनके होश उड़ गए। किसान की बात सच निकली।

मामला दुर्गागंज थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव का है। यहां के रहने वाला किसान भानु प्रकाश बिंद का सुरियावां के बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण बैंक में खाता है, जो पिछले कई दिनों से बंद पड़ा था। 16 मई को उसके मोबाइल पर बैंक का एक मैसेज आया। मैसेज कुछ समझ नहीं आया तो उसने गांव के किसी दूसरे व्यक्ति से मैसेज को पढ़ाया। मैसेज में लिखा था कि उसके खाते में 99999495999.99 रुपये (99 अरब 99 करोड़ 94 लाख 95 हजार 999 रुपये) धनराशि जमा हुई है। यह सुनते ही भानु प्रकाश दंग रह गया। वह सोच में पड़ गया कि इतने सारे पैसे कहां से और किसने जमा किए हैं। रुपयों की हकीकत जानने के लिए किसान सीधे बैंक पहुंचा। किसान जैसे ही बैंक कर्मियों को रुपये जमा होने की जानकारी दी तो अफरा–तफरी मच गई।

इतना रुपया कहां से आ गया बैंक कर्मी भी कुछ समझ नहीं पाए। बैंक कर्मियों ने तुरंत किसान का खाता चेक किया तो मामला सही निकला। इतनी बड़ी धनराशि खाते में देख सभी भौचक रह गए। बैंक के प्रभारी बैंक मैनेजर आशीष तिवारी ने बताया कि खाता धारक भानु प्रताप की केसीसी खाता था। खाते के माध्यम से इन्होंने खेत पर लोन ले रखा था। खाता एनपीए हो जाने के बाद इस तरह हुआ है। हालांकि, खाते को होल्ड कर दिया गया है। कहा कि पैसा कहां से आया और किसने भेजा है इसकी जांच की जा रही है। उधर, मामले की जानकारी के बाद लोग इसे लेकर चर्चाएं करते देखे गए।

हम सरकार बनाने के लिये नहीं, देश बनाने के लिये काम करते हैं–राजनाथ सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
हर्रैया (बस्ती)। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के समर्थन में चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। कहा की 2014 में ही साइकिल की चेन उतर गई थी, जो 2017, 2019 और 2022 में भी नहीं चढ़ सकी। 2024 में भी नहीं चढ़ेगी। कांग्रेस को लोगों ने अब लुप्त पार्टी मान लिया है। जिस तरह से विश्व में डायनासोर समाप्त हो गए, ठीक उसी तरह कांग्रेस भी अब समाप्त हो रही है। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कम्पोजिट विद्यालय के मैदान में भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के समर्थन में आयोजित जनसभा में कहा कि हम सरकार बनाने के लिए काम नहीं करते, हम देश बनाने के लिए काम करते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार हो या नरेंद्र मोदी की, सरकार ने देश के लिए बहुत कुछ किया। भारत के प्रति दुनिया में 2014 के पहले कंगाल भारत, गरीब भारत, कमजोर भारत के रूप में पहचान थी। आज अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत बोलता है तो दुनिया सुनती है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि 2004 से पहले वाजपेयी की सरकार थी तो भारत की अर्थव्यवस्था देश में 11वें पायदान पर थी। 2004 से 2014 तक कांग्रेस की यूपीए सरकार रही। इन 10 वर्षों में भी भारत की अर्थव्यवस्था परिवर्तित नहीं हुई। 2014 से 2024 तक की 10 वर्षों की मोदी सरकार ने 56 इंच का सीना चौड़ा कर भारत की अर्थव्यवस्था को पांचवें पायदान पर लाने में सफलता अर्जित की। 2027 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि आजाद भारत में लंबे समय से मतदान करके आम नागरिक जागरूक हो चुका है। चार चरणों का चुनाव समाप्त होने के बाद भारत ही नहीं दुनिया के लोग मानने लगे हैं कि मोदी सरकार 400 पार करने जा रही है। राजनीति में मैंने कभी भी आंखों में धूल झोंकने का काम नहीं किया है। केंद्रीय रक्षामंत्री ने कहा कि हमने अनुच्छेद 370 खत्म करने का वादा किया था, पूर्ण किया। हम राम मंदिर बनाने की बात करते थे तो सपा और कांग्रेस कहती थी यह लोग सिर्फ राम मंदिर बनाने की बात करते है, लेकिन तारीख नहीं बताते हैं। हमने तारीख भी बताई और आज भव्य भगवान राम का मंदिर का निर्माण भी हो चुका है। कहा कि अब राम राज्य भी आएगा। जिस दिन लोगों में दायित्व बोध, कर्तव्य बोध आएगा उसी दिन राम राज्य की स्थापना हो जाएगी। हमने कहा था कि तीन तलाक खत्म करेंगे। हमारे लिए सभी धर्म एक समान हैं। अगर किसी धर्म की महिलाओं पर अत्याचार होगा तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा मैंने बस्ती के विकास को गति देने में कोई कसर नही छोड़ा है। लगातार बस्ती के विकास के लिए लगा रहता हूं। आने वाले 25 मई को सभी लोग मतदान अवश्य करे।

हर्रैया विधायक अजय सिंह कार्यक्रम में उपस्थित रहने के बावजूद मंच पर नहीं दिखे इसे लेकर तरह–तरह के कयास लगाये जा रहे हैं।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि राष्ट्र का कल्याण और गरीब का कल्याण, आज राजनीतिक माहौल में मुख्य कसौटी का केंद्र बना है। विपक्षी गठबंधन की सरकार में, आतंकी याकूब मेमन की कब्र संवारी जाती है और राम मंदिर के निमंत्रण को ठुकरा दिया जाता है।

इस मौके पर जिला प्रभारी समीर सिंह, विधायक अजय सिंह, पूर्व मन्त्री राजकिशोर सिंह, संजय चौधरी, केडी चौधरी, सेतभान राय, दयाराम चौधरी, रवि सोनकर, अनिल सिंह, ध्रुव नारायण सिंह, ममता पाण्डेय, पवन कसौधन, यशकांत सिंह, सुशील सिंह, विजय सेन सिंह, राजेश पाल चौधरी, कुंवर आनन्द सिंह, भानु प्रकाश मिश्र, राम चरन चौधरी, योगेन्द्र सिंह, श्रीश पाण्डेय, केके सिंह, चन्द्रमणि पाण्डेय सुदामा, शिव चरन जयसवाल, समीर चौहान, सुनील त्रिपाठी, जवाहर जयसवाल, देवेन्द्र सिंह, आत्मा पाठक, राम श्रृंगार ओझा, बलराम सिंह, अनिल पाण्डेय, राजेंद्र गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनता समझ चुकी है जुमलेबाजी–मायावती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा, नाटकबाजी और जुमलेबाजी को देश की जनता समझ चुकी है। अच्छे दिन जैसे हवा–हवाई वायदे सहित इनके एक चौथाई वायदों को जमीनी हकीकत नसीब नहीं हुई। धन्नासेठों के आर्थिक सहयोग से ही भाजपा व अन्य पार्टियां अपना संगठन चलाती हैं और चुनाव लड़ाती है।कहा कि इस लोकसभा चुनाव में वोटिंग मशीन में गड़बड़ी नही हुई तो भाजपा सत्ता से बाहर हो जाएगी। उन्होंने शनिवार को राजकीय इंटर कालेज परिसर में मंडल स्तरीय चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि जातिवादी, पूंजीवादी, संकीर्ण, सांप्रदायिक और द्वेषपूर्ण नीतियों, कथनी–करनी में अंतर होने की वजह से जनता ने इस बार के चुनाव में भाजपा को नकार दिया है। इनकी नाटकबाजी और जुमलेबाजी को देश की जनता समझ चुकी है।

अच्छे दिन जैसे हवा–हवाई वायदे सहित इनके एक चौथाई वायदों को जमीनी हकीकत नसीब नहीं हुई। धन्नासेठों के आर्थिक सहयोग से ही भाजपा व अन्य पार्टियां अपना संगठन चलाती हैं और चुनाव लड़ाती हैं, जिसका खुलासा बांड प्रकरण में हो चुका है।

कड़ी धूप के बावजूद बसपा के परम्परागत मतदाता चुनावी सभा में पहुंचे किन्तु अल्पसंख्यक मतदाता कम दिखे। एक समय था जब बसपा सुप्रीमो मायावती को सुनने के लिये जाम लग जाता था किन्तु इस बार पहले की तरह जागरूकता का अभाव दिखा।

पुण्य तिथि पर याद किये गये कर्मचारियों के पुरोधा वी. एन. सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती शनिवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं संस्थापक सदस्य, पूर्व एम.एल.सी. वी. एन. सिंह को उनके 25 वीं पुण्यतिथि पर याद किया गया।

परिषद के जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कर्मचारी संघ भवन में वीएन सिंह के योगदान पर प्रकाश डालते हुये कहा कि वे कर्मचारियों के पुरोधा थे, यदि आज वे जीवित होते तो कर्मचारी पुरानी पेंशन हासिल कर चुके होते। वे आखिरी सांस तक कर्मचारी हितों के लिये संघर्ष करते रहे। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक राम अधार पाल और मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि कर्मचारियों को वीएन सिंह से प्रेरणा लेनी चाहिये कि उन्होने घोर

संकटों का सामना करते हुये भी सरकारों को मांगो को मनवाने के लिये बाध्य कर दिया। कर्मचारियों को उन्होने नकदीकरण, बोनस, केन्द्र के समान अनेक भत्तों आदि की सुविधा दिलायी। कर्मचारी उनके संघर्षो से प्रेरणा लेकर अपने अधिकारों को लेकर संघर्षरत रहे।

कोषागार कर्मचारी संघ अध्यक्ष अखिलेश पाठक, दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ अध्यक्ष अशोक सिंह, सिंचाई संघ अध्यक्ष सुभाष मिश्रा, ग्राम विकास अधिकारी संघ के मण्डल अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय आर्य, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मण्डल मंत्री ई. राजेश श्रीवास्तव, पेंशनर्स कल्याण संस्था के अध्यक्ष जलालुद्दीन कुरैशी, कलेक्ट्रेट मिनीस्ट्रीयल कर्मचारी संघ अध्यक्ष अशोक मिश्र, डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ अध्यक्ष ई. अभिषेक सिंह, कृषि मिनीस्ट्रयल कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सचिन पाण्डेय, आदि ने वी. एन. सिंह के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये कहा कि यदि आज वे जीवित होते तो पुरानी पेंशन के साथ ही उत्पीड़न के अनेक मामलो का समाधान हो गया होता। वे आखिरी सांस तक कर्मचारी हितों के लिये संघर्ष करते रहे। उनके पद चिन्हों का अनुसरण करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कर्मचारी संघ भवन में वी.एन. सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से ट्यूबेल टेक्निकल एसोसिएशन के मंत्री संतोष राव, पंचायतीराज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के प्रान्तीय उपाध्यक्ष राजेश कुमार, गौरीशंकर, लालचन्द वर्मा, जानकी प्रसाद राव, जोखन राम, राम लुटावन, अशफाक अहमद, जगराम शर्मा, छोटेलाल, सन्तराम, सीताराम, मुकेश सोनकर, ओम प्रकाश, शिवमंगल पाण्डेय, के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी, कर्मचारी शामिल रहे। अंत में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें याद किया गया।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने पुण्य तिथि पर किया कर्मचारियों के पुरोधा वी. एन. सिंह को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शनिवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं संस्थापक सदस्य एवं पूर्व विधानपरिषद सदस्य वी. एन. सिंह को उनके 25 वीं पुण्यतिथि पर सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा याद किया गया। पेंशनर कक्ष में वी. एन. सिंह के योगदान पर विस्तार से चर्चा करते हुये वक्ताओं ने कहा कि वी. एन. सिंह कर्मचारियों के पुरोधा थे और आखिरी सांस तक उनके अधिकारों के लिये लड़ते रहे।

सेवानिवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय ने वीएन सिंह को याद करते हुये कहा कि वे आखिरी सांस तक कर्मचारी हितों के लिये संघर्ष करते रहे। विधान परिषद सदस्य के रूप में उन्होने सदन में कर्मचारियों, शिक्षकों की आवाज को बुलन्द किया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

वी. एन. सिंह को उनके 25 वीं पुण्यतिथि पर याद करते हुये एसोसिएशन के मंत्री उदय प्रताप पाल ने कहा कि कर्मचारियों को आज जो सुविधायें मिल रही है उसका श्रेय वीएन सिंह को है। उन्होने कर्मचारियों को उनका अधिकार दिलाने के लिये अनेको संघर्ष किया, जुल्म सहा, जेल काटा किन्तु लक्ष्य से विचलित नहीं हुये। ऐसे समर्पित नेता की कमी सदैव खलेगी। अमरनाथ सिंह, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, प्रेमशंकरलाल श्रीवास्तव ने वी. एन. सिंह के योगदान पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि उन्होने संघर्ष करके कर्मचारियों को अनेक अधिकार दिलायें। वे सदैव याद किये जायेंगे।

वी.एन. सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से ई. रामचन्द्र शुक्ल, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, जयनाथ सिंह, राम मूर्ति चौधरी, ई. राधेश्याम तिवारी, मुनीष श्रीवास्तव, अरूण कुमार उपाध्याय, हरिभजन लाल श्रीवास्तव, बाबूराम, श्यामधर सोनी, छोटेलाल यादव, गोविन्दशरण लाल, सुरेश धर दूबे, योगेन्द्रनाथ यादव, सुरेन्द्रनाथ उपाध्याय, ओम प्रकाश मिश्र, विजय बहादुर श्रीवास्तव के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी, कर्मचारी शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 मई 2024 रविवार

सम्पादकीय

भीषण गर्मी

चुनावी सरगर्मियों के बीच भीषण गर्मी ने संकट बढा दिया है। परम्परागत ताल पोखरे समाप्ति की ओर हैं और जो बचे हैं वे सूख रहे हैं। हर साल मई–जून आते ही पारा बढ़ने पर अखबारों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की सुर्खियां डराने लगती हैं। इस डर को बढ़ाने में बाजार के उत्पादों का खेल भी शामिल होता है। आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने व ऑरेंज अलर्ट की चेतावनी लू को लेकर मौसम विज्ञान ने दी है। हर रोज एक नई खबर होती है कि फलां दिन अब तक सबसे गर्म रहा। इतने सालों का रिकॉर्ड टूटा। निश्चित रूप से खेत में काम करते किसान, खुले में जीविका के लिए पसीना बहाते कामगार व आम नागरिकों के लिये यह चुनौतीपूर्ण समय होता है। बच्चों के लिये यह समय विकट जरूर होता है। यह समय खासकर बुजुर्गों व पहले ही कई रोगों से पीड़ित लोगों के लिये खास सावधानी की मांग करता है। ऐसे में यदि बिजली की कटौती सामने आए तो और कष्टदायक होता है। यह भी सत्य है कि इस मौसम में बिजली की खपत अचानक बढ़ने और जल प्रवाह में कमी से बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है। जाहिर है बिजली की कटौती परिस्थितिजन्य भी होती है। इस बीच एक अच्छी खबर यह भी है कि मानसून देश में एक दिन पहले आ जाएगा और इस बार भरपूर मानसून बरसने की भविष्यवाणी भी की जा रही है। लेकिन हमें मानकर चलना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग से मौसम के मिजाज में तल्खी आ रही है। अफगानिस्तान, ब्राजील समेत कई देश अप्रत्याशित बाढ़ का सामना कर रहे हैं। हिमालय के आंगन उत्तराखंड में वन सुलग रहे हैं। जाहिर है पूरे देश को प्राणवायु देने वाले जंगलों के जलने का असर पूरे देश के तापमान पर पड़ेगा। ऐसे में हर नागरिक मान ले कि हमने प्राणवायु देने वाले जंगलों को जिस बेरहमी से काटकर कंक्रीट के जंगल उगाए हैं, उसका असर तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि के रूप में तो सामने आएगा ही। हमें और अधिक गर्मी के लिये तैयार रहना होगा।

सच कहें तो हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। हम महसूस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जंगलों को उजाड़ा गया, उसका खमियाजा हमें और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह और कार्बन उगलते वाहनों की होड़ भी हमारे वातावरण में तापमान में वृद्धि कर रही है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि गर्मी के आने पर हम हाय–हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा–रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले? हमें बढ़ते तापमान के साथ जीना सीखना होगा। गर्मी को लेकर हायतौबा करने से गर्मी और अधिक लगती है। हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय–पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है। रासायनिक खादों से बने भोजन व अशुद्ध दूध व उससे बने उत्पादों के उपभोग से हमारी रोग–प्रतिरोधक क्षमता घटी है। हमारे जीवन में लगातार घटते श्रम ने भी जीवनी–शक्ति को कम ही किया है। एक व्यक्ति के रूप में हम बहुत कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे तपिश से खुद व समाज को सुरक्षित कर सकते हैं। हम अपने आंगन–छतों में हरियाली उगाकर घर का तापमान अनुकूल कर सकते हैं। साथ ही प्रकृति में विचरण करने वाले पक्षियों व जीव–जंतुओं को भी गर्मी से बचाने के लिये भी प्रयास करने चाहिए। गर्मी है और आने वाले समय में और बढ़ सकती है। सरकार व समाज मिलकर इसका मुकाबला कर सकते हैं।

प्राकृतिक जल स्रोतों का कैसे हो संरक्षण

–ज्ञानेन्द्र रावत–

दुनिया में पेयजल की समस्या दिनों दिन गहराती चली जा रही है। इसके बावजूद हम पेयजल को बचाने और जल संचय के प्रति अपेक्षा अनुरूप गंभीर नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि 2025 में दुनिया की चौदह फीसदी आबादी के लिए जल संकट बहुत बड़ी समस्या बन जायेगा। इंटरनेशनल ग्राउंड वॉटर रिसोर्स असेसमेंट सेंटर के अनुसार पूरी दुनिया में आज 270 करोड़ लोग ऐसे हैं जो एक वर्ष में तकरीबन तीस दिन तक पानी के संकट का सामना करते हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानें तो अगले तीन दशक में पानी का उपभोग यदि एक फीसदी की दर से भी बढ़ेगा, तो दुनिया को बड़े जल संकट से जूझना पड़ेगा। जगजाहिर है कि जल का हमारे जीवन पर प्रत्यक्ष तथा परोक्ष प्रभाव पड़ता है। यह भी कि जल संकट से एक ओर कृषि उत्पादकता प्रभावित हो रही है, दूसरी ओर जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य पर भी खतरा बढ़ता जा रहा है।

विश्व बैंक का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के चलते पैदा हो रहे जल संकट से 2050 तक वैश्विक जीडीपी को छह फीसद का नुकसान उठाना पड़ेगा। दुनिया में दो अरब लोगों को यानी 26 फीसदी आबादी को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। पूरी दुनिया में 43.6 करोड़ और भारत में 13.38 करोड़ बच्चों के पास हर दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है। यूनीसेफ की रिपोर्ट कहती है कि 2050 तक भारत में मौजूद जल का 40 फीसदी हिस्सा खत्म हो चुका होगा।

एशिया की 80 फीसदी आबादी खासकर पूर्वोत्तर चीन, पाकिस्तान और भारत इस संकट का भीषण सामना कर रहे हैं। आशंका है कि भारत इसमें सर्वाधिक प्रभावित देश होगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शुद्ध पेयजल से जूझने वाली वैश्विक शहरी आबादी 2016 के 93.3 करोड़ से बढ़कर 2050 में 1.7 से 2.4 अरब होने की आशंका है।

ग्लोबल कमीशन ऑन इकोनॉमिक्स ऑफ वॉटर की रिपोर्ट कहती है कि साल 2070 तक 70 करोड़ लोग जल आपदाओं के कारण विस्थापित होने को विवश होंगे। गौरतलब है दुनिया में दो अरब लोग दूषित पानी का सेवन करने को विवश हैं और हर साल जलजनित बीमारियों से लगभग 14 लाख लोग बेमौत मर जाते हैं। दुनिया में बहुतेरे विकसित देशों में लोग नल से सीधे ही साफ पानी पीने में सक्षम हैं। लेकिन हमारे देश में आजादी के 77 साल बाद भी ऐसा मुमकिन नहीं।

केन्द्र और राज्य सरकारें घरों में नल के माध्यम से पीने योग्य पानी की आपूर्ति का दावा करती हैं। हकीकत यह है कि आज भी 5 फीसदी लोग बोतलबंद पानी खरीद रहे हैं। जबकि जल जीवन मिशन ने 2024 तक हर घर में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा था। यह मिशन और स्थानीय निकाय के जलदाय विभाग की नाकामी है जिसके चलते हर महानगर, शहर –कस्बे में छोटे–छोटे सैकड़ों वाटर बॉटलिंग प्लांट चल रहे हैं जो घर–घर 20–20 रुपये में पानी की बोतल पहुंचा कर लोगों की प्यास बुझा रहे हैं।

यदि सभी को शुद्ध पेयजल मुहैया कराना सरकार की मंशा है तो उसे प्राकृतिक जल स्रोतों पर ध्यान देना होगा। इस तथ्य को सरकार भी नजरअंदाज नहीं कर सकती कि देश के सभी जलस्रोत संकट में हैं। तालाब, पोखर, जलाशय बेरुखी के चलते बर्बादी के कगार पर हैं। देशभर में करीब कुल 24,24,540 जल स्रोत हैं। जिनमें से 97 फीसदी ग्रामीण क्षेत्रों में व केवल 2.9 फीसदी शहरी क्षेत्र में हैं। 45.2 फीसदी जल स्रोतों की कभी मरम्मत भी नहीं हुई। इनमें 16.3 फीसदी जल स्रोत इस्तेमाल में ही नहीं हैं। देश में हजारों जल स्रोतों पर कब्जा है। 55.2 फीसदी जलस्रोत निजी संपत्ति है और 44.5 फीसदी जलस्रोत सरकार के आधिपत्य में हैं। देश में जलस्रोतों की हालत बहुत ही दयनीय है। कहीं वह सूखे हैं, कहीं निर्माण कार्य होने से इस्तेमाल में नहीं हैं, कहीं मलबे से भरे हैं। इनकी बदहाली में सबसे बड़ा कारण उनका सूखना, सिल्ट जमा होना, मरम्मत के अभाव में टूटते चला जाना है।

प्राकृतिक जल स्रोतों तथा नदी, तालाब, झील, पोखर, कुओं के प्रति सरकारी और सामाजिक उदासीनता एवं भूजल जैसे प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन ने स्वच्छ जल का गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। यदि सबको पीने का शुद्ध जल मुहैया कराना है तो प्राकृतिक जलस्रोतों पर ध्यान देना होगा।

वर्ल्ड वॉटर रिसोर्स इंस्टिट्यूट की मानें तो देश को हर साल करीब तीन हजार बिलियन क्यूबिक मीटर पानी की जरूरत होती है। जबकि बारिश से भारत को अकेले 4000 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी मिलता है। भारत सिर्फ आठ फीसदी बारिश के जल का ही संचयन कर पाता है। यदि बारिश के पानी का पूर्णतया संचयन कर दिया जाये तो काफी हद तक जल संकट का समाधान हो सकता है। जल शक्ति अभियान के अनुसार देश में बीते 75 सालों में पानी की उपलब्धता में तेजी से कमी आई है। वर्ष 1947 में हमारे यहां प्रति व्यक्ति सालाना पानी की उपलब्धता 6042 क्यूबिक मीटर थी जो 2021 में 1486 क्यूबिक मीटर रह गयी। इसके अलावा विश्व बैंक के अनुसार देश में हर व्यक्ति को रोजाना औसत 150 लीटर पानी की जरूरत होती है लेकिन वह अपनी गलतियों के चलते 45 लीटर रोजाना बर्बाद कर देता है। ऐसी में वर्षा जल संचयन–संरक्षण, प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण, उनका समुचित उपयोग और जल की बर्बादी पर अंकुश ही वह रास्ता है जो इस संकट से छुटकारा दिला सकता है।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का संकट

– डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा–

असंगठित क्षेत्र में श्रम शक्ति की बागड़ोर महिलाओं ने ही संभाल रखी है। देश की आर्थिक गतिविधियों के संचालन में असंगठित क्षेत्र की अपनी भूमिका है और इसमें कोई दो राय नहीं कि असंगठित क्षेत्र में श्रम शक्ति को भले ही मेहनत का पूरा पैसा नहीं मिलता हो पर असंगठित क्षेत्र में सर्वाधिक रोजगार के अवसर है। बहुत बड़े वर्ग की रोजी रोटी असंगठित क्षेत्र पर ही टिकी हुई है। हांलाकि असंगठित क्षेत्र की अपनी समस्याएं हैं। इसमें रोजगार की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, नियमित आय का ना होना, स्वास्थ्य सुरक्षा सहित बहुत सी समस्याओं से दो चार होना पड़ता है। हांलाकि सरकार असंगठित क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए समय समय पर योजनाएं लाती है और ई–श्रम पोर्टल पर पंजीयन कराकर उनकी वास्तविक संख्या व आवश्यक जानकारी जुटाते हुए योजनाओं को अंतिम रुप दिया जाता रहा है। खैर बात भले ही थोड़ी अजीब लगे पर वास्तविकता तो यही बयां करती हैं कि आज देश में असंगठित क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबलें महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक हो गई है। केन्द्र सरकार के ई–श्रम पोर्टल पर देश में 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें से महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है। असंगठित क्षेत्र में आज महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी आधी से भी ज्यादा हो चुकी है। केन्द्र सरकार के ई–श्रम पोर्टल की ही बात करे तो इसमें पंजीकृत 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों में से 53 फीसदी से भी अधिक महिला श्रमिक रजिस्टर्ड हैं जबकि पुरुष श्रमिकों की संख्या यही कोई 46 फीसदी से कुछ ही अधिक है। दरअसल बात भले ही कुछ भी की जाती हो पर तस्वीर तो यही है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक श्रम कर रही थी और कर रही है। भले ही व्हाईट कालर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में कम हो पर आज संगठित व असंगठित क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं है।

भारत सरकार के ई–श्रम पोर्टल के आंकड़ों की ही भाषा में बात करें तो केरल में सबसे अधिक 59.79 प्रतिशत महिला श्रमिक असंगठित क्षेत्र में है तो आंध्रप्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल आदि सभी जगह पुरुषों की तुलना में महिला श्रमिक अधिक है। दरअसल देखा जाएं तो खेती और पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चल रहा है। शहरों में घरेलू कामकाज और रियल स्टेट क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की हिस्सेदारी सर्वाधिक है। करीब 15 करोड़ श्रमिक खेती किसानी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। इसका अर्थ साफ साफ यह हुआ कि खेती किसानी से आधे से भी अधिक श्रमिक जुड़े हुए हैं और इसमें भी कोई दो राय नहीं कि पुरातन काल से ही पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चलता आया है। खेती किसानी में भी महिलाओं की प्रमुख भागीदारी होती है।

गली कुचें में बनिये की दुकान, चाय–पानी की स्टॉल या इसी तरह की किसी दुकान में काम करने वाले, चौकटियों में कारीगारी–बेलदारी के काम की प्रतीक्षा करने वाले, खेतों में जुताई, कटाई व इसी तरह के काम करने वाले, छोटे दस्तकारों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों, गली मोहल्ले में घूमने वाले वेण्डर्स और अस्थाई काम करने वाले लोग असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की श्रेणी में आते हैं। डेली वेजेज के आधार पर काम करने वाले लोगों को भी इसी श्रेणी में रखा जाएगा। इनमें महिला और पुरुष श्रमिक दोनों ही शामिल है।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्या है। काम मिले तो मिल गया और नहीं मिला तो नहीं मिला। यानी असंगठित क्षेत्र में रोजगार व आय की स्थिरता नहीं होती। यही कारण है कि दूसरे दिन भी काम मिलेगा या नहीं, इसकी कोई गॉरन्टी नहीं होती। इसके लिए रोजगार व आय की सुरक्षा व नियमितता की बात भी नहीं की जा सकती। इसका अर्थ यह हुआ कि सामाजिक आर्थिक सुरक्षा की बात करना तो बेमानी होगी। मोटे रुप से रोजगार, सुरक्षा और स्वास्थ्य व आवश्यक सुविधाओं की सुलभता असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दूर की कोड़ी ही मानी जा सकती है। हांलाकि असंगठित क्षेत्र की श्रमिकों की समस्याओं को लेकर सरकार गंभीर होने लगी है। पहली बात यह कि श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड होने से सरकार के सामने वास्तविक तस्वीर सामने आने लगी है। सरकार ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, श्रम योगी मान धन योजना, अटल पेंशन योजना और इसी तरह की अन्य योजनाओं से जोड़कर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने के प्रयास किये गये हैं।

अब देश दुनिया में श्रमिक आंदोलन का समय तो करीब–करीब समाप्त ही हो चुका है। ऐसे में इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी व सामाजिक संगठनों को आगे आते हुए असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की आवाज बनना होगा। अब तो चूंकि असंगठित क्षेत्र में पुरुषों की अपेक्षा महिला श्रमिक अधिक है तो फिर और भी अधिक जिम्मेदारी हो जाती है। इसके साथ ही महिलाओं की समस्याओं को भी समझना होगा। सरकार को भी इस क्षेत्र के श्रमिकों की समस्याओं के समधान के लिए फोकस करना ही होगा।

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र को जोर का झटका

–योगेंद्र योगी–

देश की शीर्ष अदालत ने दो मामलों में केंद्र सरकार को जोर का झटका धीरे से देते हुए यह जाहिर कर दिया कि कानूनों की मनमानी व्याख्या अपनी सुविधा के हिसाब से नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट के ईडी की गिरफ्तार करने की शक्तियों को सीमित करने के साथ ही दूसरे मामले में एक वरिष्ठ पत्रकार की गिरफ्तारी को अवैध करार देने से केंद्र को यह झटका लगा है। इन दोनों मामलों में दिए गए फैसलों से बेशक केंद्र की भाजपा सरकार को व्यापक राजनीतिक नुकसान नहीं हो किन्तु इसके दूरगामी परिणाम अवश्यंभावी होंगे। परिणाम यह होगा कि ईडी अब आसानी से किसी के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई नहीं कर सकेगी। इसी तरह पुलिस खिलाफ खबर पर किसी पत्रकार को भी आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। ईडी की कार्रवाई में कितने कानूनी तथ्य हैं, यह देखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अधिनस्थ अदालतों को रैफ्री की भूमिका दी है। गौरतलब है कि लंबे अर्से से विपक्षी दल केंद्रीय एजेंसियों पर भेदभाव के आरोप लगाती रहीं हैं। विपक्षी दलों का आरोप है केंद्र सरकार राजनीतिक रंजिशवश इन एजेंसियों को दुरुपयोग कर रही है। एक याचिकाकर्ता ने दिसंबर 2023 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी थी।

याचिकाकर्ता का सवाल था कि अगर विशेष अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में व्यक्ति विशेष के आरोपों को संज्ञान में ले लिया है, तो क्या तब भी उसे बेल के लिए सेक्शन 45 की दोहरी शर्तों को पूरा करना होगा। इस मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद धन–शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) प्रावधानों के तहत जमानत की कड़ी शर्तों को संतुष्ट करने की जरूरत नहीं है। अगर आरोपी समन द्वारा विशेष अदालत के समक्ष पेश होता है, तो यह नहीं माना जा सकता कि वह हिरासत में है। अगर अदालती समन के चलते पेश होने के बाद ईडी आरोपी की हिरासत चाहती है, तो उसे विशेष अदालत में आवेदन देना होगा। अदालत केवल उन कारणों के साथ हिरासत देगी, जो संतोषजनक हो और जिनमें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत हो। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा है कि अगर किसी मामले में ईडी ने किसी आरोपी को गिरफ्तार किए बिना चार्जशीट दाखिल की और अदालत ने इस पर संज्ञान लेकर उसे समन किया तो ऐसे व्यक्ति को पीएमएलए के तहत जमानत के लिए दोहरी शर्तों को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है।

पीएमएलए को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान 2002–03 में लाया गया था। बाद में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान 1 जुलाई, 2005 को इसे लागू किया गया। उस वक्त इस कानून को ब्लैक मनी के फ्लो को रोकने के उद्देश्य से बनाया गया था। पीएमएलए कानून के तहत सबसे पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सीएम मधु कोडा के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इसके बाद साल 2010 में 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला घोटाला समेत कई बड़े घोटालों में इस कानून के तहत कार्रवाई हुई। फिर साल 2012 में तत्कालीन वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने इसमें संशोधन भी किया था। बीते कुछ सालों में इस एक्ट में और भी कई बदलाव किए गए हैं। ईडी की शक्तियां सीमित करने के साथ केंद्र सरकार को दूसरा झटका लगा न्यूज क्लिक के फाउंडर संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को लेकर। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद न्यूज क्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ को रिहा कर दिया गया। न्यूजक्लिक फाउंडर पुरकायस्थ को पोर्टल के माध्यम से राष्ट्र–विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए कथित चीनी फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुरकायस्थ के खिलाफ आरोप लगाया गया कि न्यूजक्लिक को चीन के पक्ष में प्रचार के लिए कथित तौर पर धन मिला था। देश की सबसे बड़ी अदालत ने यूएपीए मामले में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को गलत माना। कोर्ट का यह फैसला अपने आप में एक नजीर है। इसका असर आने वाले दिनों में दूसरे फैसलों पर भी दिख सकता है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए किसी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के सामने एक साफ–साफ लकीर खींच दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि गिरफ्तारी के वक्त पुलिस को इसका आधार लिखित तौर पर देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 के तहत सबसे अटूट मौलिक अधिकार है। इसे भी किसी तरह नजरअंदाज या अनदेखा नहीं किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट की कही इस बात का स्पष्ट संदेश है कि हर नागरिक के लिए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार की अपनी विशेष अहमियत है।

चुनावों में पत्रकारों की सुरक्षा के प्रश्न

–हरि जयसिंह–

चुनावों के दौरान पत्रकार अक्सर रैलियों, अभियान कार्यक्रमों और विरोध प्रदर्शनों को कवर करते हैं, जिससे उन पर शारीरिक हमले, उत्पीडन और यहां तक कि हिरासत के जोखिम बढ़ जाते हैं। इसके अतिरिक्त, चुनावों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को डिजिटल लक्ष्यीकरण, ऑनलाइन दुर्व्यवहार और धमकी का सामना करना पड़ सकता है। जैसा कि भारत में एक कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली चुनावी प्रक्रिया चल रही है, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ई.जी.आई.) ने चुनावों को कवर करने वाले पत्रकारों की सुरक्षा के संबंध में गंभीर ड्क्षचता को उजागर करने के लिए भारत के चुनाव आयोग (ई.सी.आई.) से संपर्क किया। रिपोर्टें ऐसे उदाहरणों का संकेत देती हैं, जहां पत्रकारों को राजनीतिक अभियानों और रैलियों के दौरान मौखिक उत्पीडन, शारीरिक धमकी और कुछ मामलों में सीधे हमले का सामना करना पड़ा है। उस भावना में, ई.जी.आई. ने 13 मई को मुख्य चुनाव आयुक्त (सी.ई.सी.) को एक पत्र लिखा, जिसमें चुनावों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों की सुरक्षा के बारे में आशंका व्यक्त की गई। गिल्ड ने ई.सी.आई. से पत्रकारों की सुरक्षा की गारंटी के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया।

इस मुद्दे के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, पिछले साल संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने चुनावों के दौरान पत्रकारों के खिलाफ हमलों में खतरनाक वृद्धि का दस्तावेजीकरण करते हुए एक रिपोर्ट जारी की। जनवरी 2019 और जून 2022 के बीच, यूनेस्को ने 70 देशों में पत्रकारों और मीडिया कर्मियों पर 759 हमले दर्ज किए। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से 42 प्रतिशत हमले कानून प्रवर्तन एजेंटों द्वारा किए गए, जिनमें से 29 प्रतिशत ने स्पष्ट रूप से महिला पत्रकारों को निशाना बनाया।

रिपोर्ट में इस तरह की हिंसा में कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एल.ई.ए.) की भागीदारी पर जोर दिया गया है, जिसमें दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शनों को कवर करने के दौरान पत्रकारों को हिरासत में लिए जाने की घटनाओं पर भी गौर किया गया। यह सार्वजनिक प्रदर्शनों को कवर करने वाले मीडिया आऊटलैट्स के साथ सकारात्मक संबंधों को बढ़ावा देने, पत्रकारों को कार्यक्रमों तक पहुंच प्रदान करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने, विशेष रूप से महिला पत्रकारों के सामने आने वाले विशिष्ट जोखिमों को संबोधित करने के लिए एल.ई.ए. की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषण चुनावी प्रक्रिया में सुधार के अग्रणी प्रयासों के लिए प्रसिद्ध हैं। अपने कार्यकाल के दौरान शेषण ने भारत में चुनावों की अखंडता और दक्षता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुधार पेश किए। इनमें चुनाव कानूनों को सख्ती से लागू करना, चुनावी कदाचार पर रोक लगाना और मतदाता शिक्षा पर जोर देना शामिल है। नब्बे के दशक की शुरुआत में जब शेषण ने चुनाव आयोग को पुनर्जीवित किया, तो इसकी प्रतिष्ठा बढ़ गई। आज भी, दो दशक से भी अधिक समय बाद, शेषण देश भर में एक व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त व्यक्ति बने हुए हैं, जो चुनावों की निष्पक्ष निगरानी के पर्याय हैं।

डिंपल यादव ने पीएम मोदी और सीएम योगी पर साधा निशाना

संवाददाता–गोंडा। समाजवादी पार्टी सांसद और मैनपुरी से प्रत्याशी डिंपल यादव ने शनिवार को गोंडा लोकसभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी श्रेया वर्मा के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी व सीएम योगी पर जमकर निशाना साधा। डिंपल ने कहा किजो परिवार वाले नहीं हैं उन्हें परिवार का दर्द क्या होता है यह नहीं पता। परिवार की जिम्मेदारी क्या होती है वह इसे नहीं जानते। समाजवादी पार्टी ही ऐसी पार्टी है जो रिश्ते निभाना जानती है, जो परिवार का दर्द समझती है। डिंपल ने कहा कि ये संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। यह परिवर्तन और बदलाव का चुनाव है। यह बदलाव युवाओं के हाथ में है और इस जनसमूह को देखकर यह तय हो गया है कि इस बार बदलाव होकर रहेगा। सपा प्रत्याशी श्रेया वर्मा को गोंडा की बेटी बताते हुए सपा सांसद ने कहा कि गोंडा की जनता न सिर्फ युवा और नया साध्संद चुनेगी बल्कि, वह महिला शक्ति का भी समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसा सांसद चुनिए जो आपके बीच में रहे। आपके सुख–दुख में काम आए, न कि ऐसा सांसद जो चुनाव जीतने के बाद दिखाई न दे। गोंडा की जनता ने हमेशा सपा को आशीर्वाद दिया है। यहां की जनता ने बाबूजी (बेनी प्रसाद वर्मा) को भी आशीर्वाद दिया है। डिंपल ने कहा कि मैनपुरी व कन्नौज में सपा कार्यकर्ता डरे नहीं, प्रशासन का डटकर मुकाबला किया। आप बताइए डरेंगे तो नहीं, दबाव में तो नहीं आएंगे, घबराएं तो नहीं। हम अपने कार्यकर्ता पर आंच नहीं आने देंगे। भाजपा पर दबाव की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए डिंपल यादव ने कहा कि इस दबाव की राजनीति का पतन जनता के हाथ में है और जनता के सहयोग से समाजवादी पार्टी इस राजनीति को खत्म करेगी। डिंपल यादव ने सपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि 20 मई को सुबह सात बजे से दोपहर 12 तक सभी लोग अपना मतदान कर लें। पूर्व मंत्री राकेश वर्मा, सपा नेता सूरज सिंह साथ रहे। गोंडा लोकसभा सीट पर सपा प्रत्याशी श्रेया वर्मा के पक्ष में आयोजित रोड शो में डिंपल यादव को सुबह 11.30 बजे पहुंचना था, लेकिन वह अपने निर्धारित कार्यक्रम से करीब दो घंटे देरी से गोंडा पहुंची। डिंपल के स्वागत में गोंडा में जनसौलाब उमड़ पड़ा। रोड शो में उमड़ी भीड़ को देखकर डिंपल यादव भी गदगद नजर आईं। भीषण गर्मी और 42 डिग्री तापमान के बीच चुनावी रथ पर खड़ी डिंपल यादव पूरे रौ में दिखी। प्रचंड गर्मी के बीच लोगों को संबोधित किया। पूर्व मंत्री राकेश वर्मा, सपा नेता सूरज सिंह उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में बबूल के पेड़ से फंदे से लटकी मिली युवक की लाश

संवाददाता–श्रावस्ती,। बेलहरी निवासी एक युवक की लाश शनिवार सुबह गांव के बाहर बबूल के पेड़ से फंदे के सहारे लटकी मिली। सूचना पर पहुंची सिरसिया पुलिस ने लाश का पंचनामा भराकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। वहीं मामला हत्या का है या आत्महत्या का। पुलिस इसकी गुत्थी सुलझाने में जुट गई है। सिरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम बेलहरी निवासी अमरजीत उर्फ ननके मौर्य (20) पुत्र बृज कुमार मौर्य का अब तक विवाह नहीं हुआ था। इसलिए वह घर के बाहर ही अपने पिता की चारपाई के बगल चारपाई डालकर सोता था। शनिवार सुबह करीब चार बजे पेशाब करने उठे बृज कुमार ने देखा कि अमरजीत सो रहा है। इसके बाद वह भी सो गया गया। सुबह जागने पर देखा अमरजीत अपनी चारपाई पर नहीं है। इसी दौरान नित्य क्रिया के लिए गांव के बाहर उत्तर की दिशा में गए कुछ ग्रामीणों ने देखा कि गांव के बाहर लगे बबूल के पेड़ पर अमरजीत की लाश संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटक रही है। इसकी सूचना गांव आकर ग्रामीणों ने बृज कुमार सहित अन्य ग्रामीणों को दिया। इसके बाद मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। इस दौरान ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची सिरसिया पुलिस ने लाश को फंदे से नीचे उतरवाया। जिसका पंचनामा भराकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। वहीं इस बारे में थानाध्यक्ष सिरसिया भानुप्रताप सिंह का कहना है कि लाश पोस्टमार्टम के लिए भेजी गई है। मामला हत्या का है या आत्महत्या का। इसकी जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

खगेन्द्र प्रसाद रिजाल बने बांके के नए जिलाधिकारी

संवाददाता–बहराइच। पड़ोसी देश नेपाल के उप प्रधान व गृहमंत्री रवि लामिछाने ने मंत्रिस्तरीय निर्णय के अनुसार बागलुङ्ग जिले के डीएम खगेन्द्र प्रसाद रिजाल को जिलाधिकारी बांके नियुक्त किया है। गृह मंत्रालय ने नेपाल के तीन जिलों के जिलाधिकारियों का पदस्थापन व स्थानांतरण किया है।

भाजपा का अहंकार है 400 सीटें जीतने का नारा –अखिलेश यादव

संवाददाता–बलरामपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को श्रावस्ती संसदीय क्षेत्र में शहर के छोटा परेड ग्राउंड में जनसभा कर भाजपा पर तंज कसा। कहा कि दस सालों में भाजपा वालों का झूठ उजागर हो चुका है। भाजपा का 400 पार का नारा उसका अहंकार है। नारे की गणित भी अब जनता के समझ में आ गई है। भाजपा का कहना है कि देश की 543 लोकसभा सीटों में 400 के पार के बाद जो 143 सीटें बच रही है वही जीतने जा रहे हैं। जबकि इस बार जनता इन्हें 140 सीटों के लिए तरसा देगी। भाजपा झूठ बोलकर किसानों नौजवानों व बेरोजगारों को ठगने का काम करने वाली पार्टी है, जिसे जनता ने हटाने का मन बना लिया है।

कहा कि भाजपा ने आरक्षण न देना पड़े इसलिए सारी नौकरियां संविदा पर कर दी हैं। सरकारी संस्थाओं को बेचकर प्राइवेट किया जा रहा है। देश का संविधान खतरे में है। बेरोजगारों को नौकरी न देनी पड़े इसलिए सारे पेपर लीक हो रहे हैं। चार चरणों के चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी से लेकर अन्य भाजपा नेताओं की भाषा बदल गई है। उन्हें चुनाव हारने का डर सताने लगा है। इसीलिए वह हिंदू, मुस्लिम और मंदिर की बात कर रहे हैं। उन्होंने सभा में मौजूद पुलिसकर्मियों की तरफ इशारा करते हुए कहा कि कहीं ऐसा न हो की अगली बार सरकार बनने पर उनकी नौकरी भी अग्निवीर की चार साल की नौकरी से भी कम तीन साल की कर दी जाए। सपा मुखिया ने भाजपा पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि खाद की बोरी में चोरी हो रही है। भाजपा ने जिस व्यक्ति को नैनो यूरिया बनाने का काम दिया था वह भी देश छोड़कर भाग गया है। इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही खटाखट भाजपा के सारे नेता व पूंजीपती विदेश भाग जाएंगे। जनसभा में उन्होंने श्रावस्ती से सपा लोकसभा प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा तथा गैंसड़ी विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव लड़ रहे प्रत्याशी राकेश यादव का हाथ पकड़कर जनसभा में मौजूद लोगों से समर्थन की हामी भरवाई।

सिद्धपीठ रसमोद कुंज युगल बधाई सुन मंत्र मुग्ध हुए लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। सिद्ध पीठ रसमोद कुंज में जानकी जी का प्राकट्योत्सव पर पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज के सानिध्यता में युगल बधाई के साथ मनाया गया।इस अवसर पर मां जानकी का भव्य श्रृंगार हुआ। उसके बाद घंटे, घड़ियारों व शंख की करतलध्वनि के बीच उनका प्राकट्य होता है। पुजारी द्वारा भोग लगाकर किशोरी जी की भव्य आरती उतारी गई। अयोध्या के नामचीन कलाकारों ने जन्म बधाई गाकर उत्सव में चार–चांद लगा दिया। वर्तमान महंत ने कलाकारों को नेग–न्यौछावर भी भेंट स्वरूप प्रदान किया जाता है। अंत में साधु–संत व भक्तगणों को प्राकट्योत्सव का प्रसाद वितरित किया गया।

राम प्रिया शरण गिरधारी महाराज ने बताया कि जनक नंदिनी एवं प्रभु श्रीराम की अर्द्धांगिनी सीताजी का वैशाख शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर प्राकट्य हुआ था और आचार्यों द्वारा संचालित परम्परा के अनुरूप जन्मोत्सव के साथ युगल बधाई का अयोजन होता आ रहा है उन्हीं का पालन करते हुए दो दिवसीय भव्य उत्सव मनाया गया। उन्होंने बताया कि अयोध्या ही नहीं पूरे देश में वैशाख शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को माता जानकी का जन्मोत्सव मनाया जाता है मंदिर में भी यह परंपरा सदियों से चली आ रही है जिसको उसी अनुरूप मनाया गया इस अवसर पर अयोध्या के संतो महंतों के साथ सैकड़ो की संख्या में भक्ति श्रद्धालु गण सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्य रूप से बधाई गायन में व्यास राघवेन्द्र शरण व्यास ,लाड़ली शरण, राम भरोसे, जयराम दास, राजेन्द्र पांडे, पुजारी रामरूप शरण विमल शरण आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

मतदान केन्द्र में नहीं पहुंचाई गई बिजली

संवाददाता–श्रावस्ती। मतदान केन्द्र पर पेयजल, शौचालय के साथ ही बिजली की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। लेकिन जिले का एक ऐसा मतदान केन्द्र हैं जहां आदेश के बाद भी बिजली की व्यवस्था नहीं की गई है। इससे मतदान के समय में समस्या का सामना करना पड़ सकता है। 25 मई को जनपद में लोकसभा चुनाव का मतदान हैं। इस दिन लोगों की ओर से मतदान केन्द्र पहुंचकर वोट डाले जाएंगे। शत प्रतिशत मतदान केन्द्रों पर पेयजल, शौचालय व बिजली की मुकम्मल व्यवस्था के निर्देश शासन की ओर से दिए गए हैं। इसके बाद भी जमुनहा तहासील क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय खावा कला मतदान केन्द्र में बिजली की व्यवस्था नहीं की गई है। ग्राम पंचायत खावा कला में दो बूथ है। खावा कला व खावा खुर्द गांव के बीच बीच सरयू नहर स्थित है। खावा कला में बूथ संख्या 25 है जबकि इसी गांव के मजरा खावा खुर्द में बूथ संख्या 26 है। यहां कुल 593 वोटर हैं जो मतदान करेंगे। कम्पोजिट विद्यालय के पास से ही 11 हजार की बिजली लाइन है। लेकिन यहां ट्रांसफार्मर रखाकर बिजली का कनेक्शन नहीं खींचा गया है। बीते दिनों उपजिलाधिकारी जमुनहा संजय कुमार राय ने मतदान केन्द्र कम्पोजिट विद्यालय खावा खुर्द का निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने श्रावस्ती अभियंता विद्यत व उपकेन्द्र उल्लहवा के एसडीओ व जेई को बिजली की व्यवस्था किए जाने का निर्देश दिया था। इसके बाद भी बिजली नहीं लगाई गई है। ग्राम पंचायत सचिव सुनील कुमार ने बताया कि यदि समय से बिजली कनेक्शन नहीं होगा तो मतदान के दिन जननरेट की व्यवस्था की गयी है।

युवक की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या, पेट में कई बार मारा चाकू, हाथ–गला काटा– आंखें निकाली

संवाददाता–महराजगंज। शनिवार सुबह निर्माणधीन रेलवे ट्रैक की तरफ टलहने निकले कुछ लोगों ने क्षत विक्षत शव को देखा तो हड़कंप मच गया। कुछ ही देर बाद मौके पर लोगों की काफी भीड़ जुट गई। वहीं, घटना की सूचना पाकर मौके पर स्थानीय पुलिस के साथ ही फॉरेंसिक टीम और रेलवे पुलिस कर्मी भी पहुंच गए। जहां पर टीम शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई। घुघली थाना क्षेत्र के निर्माणधीन रेलवे ट्रैक पर एक युवक की निर्मम हत्या करने का मामला सामने आया है। शुक्रवार रात को एक युवक की गला काटकर हत्या कर दी गई। फिर उसके शव को क्षत विक्षत कर दिया गया। हत्यारों ने युवक के पेट में कई बार चाकू मारा, गला काटा, हाथ काटा फिर एक आंख को निकाल शव को रेलवे ट्रैक पर छोड़ दिया। शनिवार सुबह निर्माणधीन रेलवे ट्रैक की तरफ टलहने निकले कुछ लोगों ने क्षत विक्षत शव को देखा तो हड़कंप मच गया। कुछ ही देर बाद मौके पर लोगों की काफी भीड़ जुट गई। वहीं, घटना की सूचना पाकर मौके पर स्थानीय पुलिस के साथ ही फॉरेंसिक टीम और रेलवे पुलिस कर्मी भी पहुंच गए। जहां पर टीम शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई। जानकारी के मुताबिक सिंदुरिया थाना क्षेत्र के गांव बसंतपुर खुर्द ओमप्रकाश कुशवाहा इकलौते बेटे मनीष कुशवाहा व बेटी रानी के साथ घुघली शहर स्थित वार्ड नंबर 9 रेलवे स्टेशन के ठीक सामने पश्चिम निवासी जोखन सिंह के मकान में किराए के कमरे में काफी लंबे समय से रहते थे। पिता ओमप्रकाश शहर में ई रिक्शा चलाते थे, तो बेटा मनीष (25) रेलवे स्टेशन से गुजरने वाले ट्रेनों में चाय पानी बेचने का काम करता था। इसी बीच शनिवार सुबह घुघली रेलवे स्टेशन से करीब 400 मीटर दक्षिण निर्माणधीन रेलवे ट्रैक की ओर टहलने निकले कुछ लोगों ने क्षत विक्षत एक युवक का शव देखा। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची। वहीं, मृत युवक मनीष के पिता ओमप्रकाश ने पूछताछ में बताया कि रात करीब आठ बजे बेटे की मोबाइल पर किसी का फोन आया। उसके बाद बेटा कुछ देर बाद लौटने की बात कहते हुए घर से निकल पड़ा। उसके बाद सभी लोग सो गए। घुघली थाना प्रभारी निरीक्षक योगेश प्रताप सिंह ने बताया मामले में युवक का शव कब्जे में लेकर कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जल्द ही हत्या करने वाले आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा

बाइक से टकराकर टेम्पो पलटा, चार घायल

संवाददाता–देवरिया। बाइक से टकरा कर अनियंत्रित टेम्पो सड़क पर पलट गया। इस हादसे में चार लोग घायल हो गए। घायलों को आसपास के लोगों ने एंबुलेंस से सीएचसी भेजा। गंभीर हालत में घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। गौरीबाजार–रुद्रपुर मार्ग पर शनिवार को दोपहर में ब्लॉक गेट के समीप बाइक से टकरा कर सवारियों से भरी टेम्पो सड़क पर पलट गई। इस हादसे में बाइक सवार मोतीराम अड्डा निवासी रितिक (26), क्षेत्र के सांडा निवासी हरीन्द्र शर्मा (35), निमिशा देवी (40), बर्दगोनिय निवासी टेम्पो चालक पिंटू (30) घायल हो गए।

वहीं दूसरे सड़क हादसे में पननहा के समीप शुक्रवार देर शाम अनियंत्रित टेंपो पलट गया। इस हादसे में टेम्पो सवार नगरौली निवासी संजय भारती (30) पुत्र सुरेश, छितही बाजार निवासी सुशील पासवान (29) पुत्र राजदेव गंभीर रूप से घायल हो गए। दो सवारियों को हल्की चोटे आई। गंभीर रूप से घायलों को आसपास के एंबुलेंस से सीएचसी भेजा। वहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पति ने पत्नी पर किया धारदार हथियार से हमला, घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। देर रात पति पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आक्रोश में आकर पति ने धारदार औजार से पत्नी के गले पर वार कर दिया जिसमें पत्नी गंभीररूप से घायल हो गई। घायल महिला को सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां से उसे ट्रामा सेन्टर बहराइच रेफर कर दिया गया। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम भगवानपुर बनकट के लाला पुरवा निवासी सुभाष पुत्र अनंत राम की शादी नौ वर्ष पहले रमावती के साथ हुई थी। जिसके दो बच्चे भी हैं। शुक्रवार की रात पति पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस पर आक्रोश में आकर सुभाष ने धारदार औजार से पत्नी रमावती के गले पर वार कर दिया। इससे महिला का गला कट गया और वह गंभीररूप से घायल हो गई। महिला खून से लथपथ पड़ी थी। जानकारी होने पर ससुर अनंत राम ने एंबुलेंस से सीएचसी इकौना में भर्ती कराया। वहीं सुभाष मौके से फरार हो गया। सूचना पाकर इकौना थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह टीम के साथ सीएचसी पहुंचे। महिला की हालत गंभीर देख प्रभारी निरीक्षक ने महिला को प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेन्टर बहराइच के लिए रेफर करा दिया। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर पति सुभाष के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

चीन नेपाल में अपने पैर जमा चुका है –रौनियार

संवाददाता–बहराइच। पड़ोसी देश नेपाल के जिला बांके में राष्ट्रीय एकता अभियान का महत्वपूर्ण जिला सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में संघीय हिन्दू गणतंत्र की स्थापना, चीनी विस्तारवाद व इस्लामिक अतिवाद के विरुद्ध चेतना जगाने को लेकर विचार विमर्श हुआ। अभियान के जिला संयोजक राजकुमार रौनियार की अध्यक्षता में यह सम्मेलन आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय एकता अभियान राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय यादव मुख्य अतिथि व समाजसेवी किशोर लामा विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मानित किए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय यादव ने कहा कि हमारी संस्था नेपाल की अखंडता, संस्कृति व स्वाधीनता की रक्षा करने के प्रति समर्पित है। हम लोग समृद्ध व शक्तिशाली नेपाल हिन्दू राष्ट्र निर्माण के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। किसी भी विदेशी शक्ति को हम अपने देश पर हावी नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि नेपाल के कई जिलों में हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। इसके विरुद्ध कोई भी राजनैतिक दल न तो आवाज उठा रहा है, और न ही इन हमलों को रोकने के कोशिश कर रहा है। नेपाल के अधिकतर राजनैतिक दल हिन्दू विरोध की भूमिका में हैं। अब एक सशक्त हिंदूवादी राजनैतिक दल की आवश्यकता महसूस हो रही है, और कोई विकल्प नहीं बचा। नेपाल की हिंदूवादी संस्थाओं को अब सक्रिय होकर राजनैतिक दल के रूप में अपना स्वरूप बदलना होगा। राजकुमार रौनियार ने कहा कि इस समय चीन नेपाल में अपने पैर जमा चुका है। नेपाल की सरकार चीन के इशारे पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि चीन ने पोखरा में एयरपोर्ट बनाया है। यह कर्ज नेपाल कभी नहीं उतार पाएगा। इसका प्रयोग चीन अपनी सेना के लिए ही करेगा। नेपाल के नेता मूकदर्शक बने हुए हैं। भारत हमारा पड़ोसी मित्र देश है, परंतु चीन के इशारे पर भारत पर विस्तारवाद के आरोप लगाए जा रहे हैं, जबकि चीन ने नेपाल की भूमि पर कब्जा कर कई गांव बसा दिए हैं।

संस्कृत भाषा में कम शब्दों में बहुत सी बातों को व्यक्त और प्रकट करने की सामर्थ्य होती है –रविंद्र कुमार

संवाददाता–गोण्डा। जिले के लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में दो दिवसीय छन्द कार्यशाला समापन समारोह को संबोधित करते हुए प्रो.एस.बी.सिंह बघेल ने कहा कि संस्कृत और पालि दोनों ही भाषाएं बहुत ही प्राचीन हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में संस्कृत विषय का चयन करने से सफलता का प्रतिशत बढ़ जाता हैद्य संस्कृत के छात्रों और शिक्षकों का यह उत्तरदायित्व है कि वह अपनी संस्कृत भाषा एवं संस्कृति के संरक्षण हेतु सतत प्रयास करते रहने चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो.रवीन्द्र कुमार ने कहा कि संस्कृत भाषा में कम शब्दों में बहुत सी बातों को व्यक्त और प्रकट करने की सामर्थ्य होती है। दो दिवसीय कार्यशाला में बच्चों के छन्द गायन को देखकर हृदय भाव विभोर हो गया। संस्कृत भाषा के छात्र बहुत ही संघर्षशील और विनम्र होते हैं। मेरी यह अभिलाषा है ऐसी कार्यशालाएं विभिन्न विभागों पर होती रहनी चाहिए।भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ.रंजन शर्मा ने छन्द कार्यशाला की उपयोगिता के साथ कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा का भविष्य बहुत ही उज्ज्वल है। संस्कृत भाषा अन्य भाषाओं की अपेक्षा भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में बहुत अधिक योगदान देती है। आई क्यू ए.सी.के अध्यक्ष प्रो.रामसमुझ सिंह ने कहा कि छन्द कार्यशाला के बहुत ही दूरगामी परिणाम होंगे। इस तरह की शैक्षणिक गतिविधि महाविद्यालय के विकास में योगदान करती है। प्रो.श्रीनिवास राव ने कहा कि संस्कृत भाषा में छन्द गायन का कौशल बहुत ही उपयोगी होता हैद्य प्रो.राजीव अग्रवाल ने कहा कि संस्कृत भाषा पुनः अपने गौरव को प्राप्त कर सकेगी। संस्कृत भाषा में जीवन प्रबन्धन का भी महत्वपूर्ण ज्ञान भण्डार है। डा.वन्दना भारतीय ने कहा कि इस कार्यशाला में छात्रों ने बहुत ही तन्मयता के साथ प्रतिभाग किया है। लेकिन इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को छात्र जितना ही संरक्षित और विकसित कर सकेंगे यह कार्यशाला उतना ही सफल होगी। कार्यशाला का वृत्त निवेदन करते हुए संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो.मंशाराम वर्मा ने कहा कि इस दो दिवसीय कार्यशाला में 50 से अधिक छात्र–छात्राओं तथा 20 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। उन्होंने मंचस्थ अतिथियों के प्रति आभार भी प्रकट किया। प्रशिक्षक जगदम्बा प्रसाद सिंह ने छन्दों का परिचय कराते हुए छन्द गायन की बारीकियों को बहुत सरलतम और प्रभावी ढंग से समझायाद्य कार्यशाला के प्रतिभागियों में सच्ची सिंह,रत्नेश तिवारी,शिवांगी दुबे, मधु दुबे ने छन्द गायन की सुमधुर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर डा.अमित वर्मा, डा.अवधेश वर्मा, श्रवण कुमार सहित आचार्यगण तथा नन्दिनी मिश्रा,रुक्साना, विद्यांशी, विवेक गुप्ता, आशुतोष मिश्र, अन्नपूर्णा, अनुराग शुक्ला आदि छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

बुद्ध की परिनिर्वाण स्थली पर चतुष्कोणीय मुकाबले के आसार

संवाददाता–कुशीनगर। लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों को चुनाव चिह्नों का आवंटन होने के बाद कुशीनगर में चुनावी तस्वीर साफ हो गयी। बुद्ध की धरती पर चतुष्कोणीय मुकाबले के आसार हैं। भाजपा ने इस सीट से हैट्रिक लगाने को विशेष रणनीति बनायी है तो सपा व बसपा ने भी अपनी–अपनी पहली जीत हासिल करने को पूरा जोर लगाया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने निर्दल ताल ठोंक कर चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। चुनावी पंडितों के अनुसार कुशीनगर में सैंथवार मतदाता निर्णायक माने जाते हैं। भाजपा जहां अपने राज्य सभा सांसद आरपीएन सिंह के भरोसे है, वहीं सपा, सैंथवार उम्मीदवार उतार कर मतदाताओं को पाले में करने की कोशिश में जुटी है। कुशीनगर संसदीय सीट पर भाजपा का 2014 व उसके बाद 2019 में भी लगातार कब्जा रहा। निवर्तमान सांसद विजय दुबे को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। पार्टी इस बार हैट्रिक लगाने की कोशिश में है। भाजपा ने इसके लिए विशेष रणनीति के तहत बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन से लेकर विभिन्न मोर्चों के सम्मेलन विधानसभावार शुरू कर दिए हैं। बूथ से जिला स्तर तक के पदाधिकारियों को अलग–अलग टीमें बनाकर चुनाव प्रचार की जिम्मेदारियां सौंपी गयी हैं। जनसंपर्क का दौर तेज हो गया है।

समाजवादी पार्टी ने लोकसभा क्षेत्र के जातीय समीकरण को देखते हुए यहां से अजय प्रताप सिंह उर्फ पिंटू सैंथवार को मैदान में उतारा है। सपा की कई टीमें भी चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक रही हैं और विशेष प्लानिंग के तहत बूथ स्तर तक कैंपेनिंग की जा रही है। विभिन्न पदाधिकारियों की टीमें भी अलग–अलग टीमें बनाकर चुनाव प्रचार में जुटी हैं। बसपा उम्मीदवार शुभ नारायण चौहान पार्टी कैडर के साथ जनसंपर्क में जुटे हैं। वह गांव व गली मोहल्लों तक फैले संगठन कार्यकर्ताओं के भेरोसे हैं। बसपा मुखिया मायावती के निर्देशन में सर्व समाज को पाले में करने की रणनीति पर बसपा की टीम काम कर रही है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने निर्दल ताल ठोंक दिया है। सपा छोड़ने के बाद उन्होंने इंडिया गठबंधन का इंतजार किया कि वह उन्हें कुशीनगर से प्रत्याशी बनाता है या नहीं। रिस्पांस नहीं मिलने पर वह अपनी पार्टी से मैदान में उतर गए। पिछले दिनों पडरौना सदर से विधायक रहे स्वामी प्रसाद को अपने पुराने लोगों पर भरोसा है। स्वामी प्रसाद को कुशवाहा मतों पर भरोसा है तो भाजपा ने पुराने नेता एनपी कुशवाहा को चुनाव प्रचार में उतार दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्य व शुभ नारायण चौहान ने बसपा से राजनीति शुरू की थी। बाद में स्वामी प्रसाद भाजपा और फिर सपा में गए। अब खुद की राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी बनाकर खुद चुनाव मैदान में हैं। उन्होंने यह पार्टी बनाने के बाद खुद को कुशीनगर का व शुभ नारायण को देवरिया संसदीय सीट से उम्मीदवार घोषित किया था। शुभ नारायण ने कड़ी आपत्ति जताते हुए इससे इनकार कर दिया था और बसपा के टिकट पर मैदान में उनके सामने हैं।

नेपाल ले जाया जा रहा खाद्यान्न का खेप पकड़ा गया

संवाददाता–श्रावस्ती। एक व्यक्ति की ओर से ट्रैक्टर ट्राली से गेहूं अवैध रूप से नेपाल ले जाया जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर एसएसबी जवानों ने ट्रैक्टर ट्राली समेत गेहूं को पकड़कर जब्त कर लिया। साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी समेत गेहूं को कस्टम विभाग बहराइच को सुपुर्द कर दिया गया। 62वीं वाहिनी एसएसबी कमांडेन्ट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी के निर्देशन में शुक्रवार शाम को ककरदरी सीमा चौकी के उपनिरीक्षक विशन दत्त कश्यप टीम के साथ गश्त कर रहे थे। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सीमा स्तम्भ संख्या 640द्5 के पास दो व्यक्ति ट्रैक्टर ट्राली में गेहूं लादकर भारत से नेपाल में बेंचने जा रहे है। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंच गए। एसएसबी जवानों को देखते ही चालक ने ट्रैक्टर ट्राली को नेपाल की ओर भगना शुरू कर दिया। इस दौरान ट्राली पलट गई। एसएसबी की टीम ने एक व्यक्ति को पकड़ लिया जबकि चालक ट्रैक्टर ट्राली को छोड़कर नेपाल सीमा क्षेत्र में भाग निकला। टीम ने पकड़े गए व्यक्ति से पूंछताछ की तो उसकी पहचान घनश्याम पुत्र रामरूप निवासी ककरदरी थाना मल्हीपुर के रूप में हुई। वहीं एसएसबी जवानों ने आरोपी को गिरफ्तार कर ट्रैक्टर ट्राली में लदे 38 कुंतल गेहूं समेत वाहन को जब्त कर लिया। इसके बाद आरोपी समेत गेहूं व वाहन को कस्टम विभाग बहराइच को सुपुर्द कर दिया गया। आरोपी ने बताया कि ट्रैक्टर चालक नेपाली नागरिक था।

10 साल की बालिका के साथ ट्राली मिस्त्री ने किया दुष्कर्म, हालत नाजुक- मेडिकल कालेज रेफर

संवाददाता–संतकबीरनगर। काफी समय बाद बेटी वापस आई तो वह खून से लथपथ दिखाई दिखी। जब खून बंद नहीं हुआ तो पूछने पर बेटी ने रोते हुए बताया कि ट्राली बनाने वाले अंकल ने उसको जबरदस्ती उठाकर बंद कमरे में ले जाकर गलत काम किया है। खलीलाबाद के पुराना औद्योगिक क्षेत्र के एक बालिका के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया। बेटी को खून से लथपथ देखकर परिजनों का होश उड़ गया। इलाज के लिए जिल अस्पताल ले गए जहां हालत नाजुक देखकर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया। सूचना के बाद कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्जकर कानूनी कार्रवाई शुरुकर दिया। कोतवाली पुलिस के अनुसार, नेपाल निवासी पीड़ित ने बताया कि वह यहां पर किराए का मकान लेकर रहते हैं। 17 मई को उनकी लडकी (10) घर के बाहर खेल रही थी। काफी समय बाद वापस आई तो वह खून से लथपथ दिखाई दिखी। जब खून बंद नहीं हुआ तो पूछने पर बेटी ने रोते हुए बताया कि ट्राली बनाने वाले अंकल ने उसको जबरदस्ती उठाकर बंद कमरे में ले जाकर गलत काम किया है। वह अपनी लडकी को साथ में ले जाकर उसके पास गए तो देखा तो आरोपी वहां मौजूद था। बेटी ने उसे पहचान लिया। बेटी की तबियत ज्यादा खराब हो गई थी, जिससे वह लोग घबराकर उसे जिला अस्पताल लेकर गए। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेटी की स्थिति नाजुक देखकर गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां पर उसका दवा इलाज चल रहा है। सीओ सिटी ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि बालिका के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। बालिका का गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। पुलिस पीडित का तहरीर प्राप्तकर मामले में आरोपी अली हुसैन के खिलाफ केस दर्जकर कानूनी कार्रवाई कर रही है।

प्रार्थना सभा में शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य

संवाददाता–गोरखपुर। परिषदीय विद्यालयों में प्रार्थना सभा के समय प्रधानाध्यापक समेत समस्त शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अवकाश को छोड़कर प्रतिदिन इसका प्रमाण भी देना होगा। इसके लिए प्रधानाध्यापकों को सभी शिक्षकों और बच्चों की प्रार्थना स्थल सहित फोटो खींचकर उसे प्रार्थना खत्म होते ही तुरंत संबंधित खंड शिक्षाधिकारी को भेजना होगा। प्रधानाध्यापक इस फोटोग्राफ्स को अपने टैबलेट में सुरक्षित भी रखेंगे।

बीएसए रमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शिक्षकों की समय से उपस्थित सुनिश्चित कराने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने 2024–25 के लिए नए सैक्षिक कैलेंडर के तहत एक और सख्त कदम उठाया है। विद्यालय निर्धारित समय सारिणी के अनुसार संचालित किये जाएंगे। निर्धारित समय सारिणी के अनुसार प्रत्येक कालांश 40 मिनट का होगा। प्रत्येक कालांश में शिक्षक द्वारा अपने विषय को सकारात्मक वातावरण में पठन–पाठन कराया जाएगा। विद्यालय अवधि के दौरान शिक्षक द्वारा शिक्षक संगठनों की किसी गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर सकेंगे। सत्र के आरंभ के पूर्व कक्षा में बच्चों से उनसे स्वयं का परिचय, नाम, परिवार, गांव, जनपद तथा राज्य व देश के बारे में अनौपचारिक बातचीत करते हुए उन्हें सहज बनाया जाएगा।

खेलकूद प्रतियोगिताएं सर्वप्रथम विद्यालय स्तर पर आयोजित होंगी। उसके बाद ब्लाक, जनषद, मंडल और राज्य स्तर पर प्रतियोगिताएं होगी। प्रत्येक स्तर पर विजेता छात्र को पुरस्कृत किया जाएगा। सोमवार से शुक्रवार तक शैक्षणिक कार्य के बाद 30 मिनट का रेमेडियल कक्षा शिक्षण का आयोजन किया जाएगा।

अधिकारियों पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, आक्रोश में दिखे अधिवक्ता

संवाददाता–गोरखपुर। तारामंडल स्थित वाणिज्य कर कार्यालय पर जीएसटी अधिकारियों के भ्रष्टाचार को लेकर अधिवक्ताओं ने धरना दिया। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि व्यापारियों को गलत नोटिस भेजकर मनमानी की जा रही है।

धरने की अगुवाई कर रहे अधिवक्ता अमित सिंह ने बताया की विभाग के सभी अधिकारी मनमाने ढंग से धन उगाही में लगे हुए हैं। अपील के अधिकारी सर्वाधिक शोषण कर रहे हैं। अधिवक्ता प्रमोद सिंह ने कहा कि अधिकारी पैसा नहीं मिलने पर मनमाने ढंग से पेनाल्टी और टैक्स लगा के उत्पीड़न की कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन करने वालों में राजेश नारायण दूबे, सुनील यादव, आशुतोष मिश्रा, संजय दूबे, अनंत रावत, सुनील पाण्डेय, बृजेश वर्मा, हरिलाल, राम मनोहर श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या मे अधिवक्ता मौजूद रहे।

हनीट्रैप में फंसा मर्चेंट नेवी कर्मी

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच इलाके के मर्चेंट नेवी कर्मी को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने हनीट्रैप से जाल में फंसाया था। गोवा में एक जहाज पर काम के दौरान वह एक पाकिस्तानी युवती के जाल में फंसा तो फंसता ही चला गया। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, उसे अंतरंग फोटो और वीडियो के जरिए ब्लैकमेल किया गया। यह भी पता चला है कि उसने कई लाख रुपये आईएसआई को भेजे। यूपी एटीएस की टीम युवक को साथ लेकर लखनऊ मुख्यालय चली गई। टीम अब इस पूरे नेटवर्क को खंगालने की कोशिश में जुटी है। एटीएस के सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी युवती के संपर्क में आकर पिछले चार से पांच वर्षों में वह आईएसआई के साथ सीधे जुड़ गया था। इस दौरान पाकिस्तानी युवती ने कई दूसरी लड़कियों से भी गोवा में उससे मिलवाया था। ये लड़कियां भी आईएसआई के संपर्क में थीं।

सूत्रों ने बताया कि मर्चेंट नेवी कर्मी के साथ ही उसके संपर्क में रहने वालों और परिवार के लोगों को भी जांच के दायरे में रखा गया है। इनसे भी कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। पिपराइच इलाके से पकड़े गए युवक को बृहस्पतिवार रात एटीएस मुख्यालय से आई टीम अपने साथ लेकर चली गई। इसके पहले थाने में उससे चार घंटे तक पूछताछ की गई। पूछताछ में बेहद हैरान करने वाले तथ्य सामने आए हैं। एटीएस इन तथ्यों की भी जांच कर रही है। एटीएस सूत्रों ने बताया कि सोशल साइट के सहारे युवक पहले पाकिस्तानी युवती के संपर्क में आया। इसके बाद गोवा में दोनों साथ में समय बिताने लगे। इस दौरान युवती ने कुछ और लड़कियों से भी उसकी मुलाकात करवाई। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद उन युवतियों ने उसके आपत्तिजनक वीडियो और फोटो बना लिए। फिर ब्लैकमेल करने का सिलसिला शुरू हुआ। पहले आईएसआई से कुछ रुपये युवक के खाते में मंगवाए गए। फिर उसे विश्वास में लेते हुए आईएसआई ने अपने साथ जोड़ लिया। सूत्रों ने बताया कि विश्वास में लेने के बाद पाकिस्तानी महिला के कहने पर कई जगह उसने रुपये भेजे, जो आईएसआई से जुड़े नेटवर्क के हैं। सूत्रों ने बताया कि एटीएस अब इस बात की जांच कर रही है कि आईएसआई ने किस जानकारी के लिए उसे जोड़ा और क्या–क्या जानकारी उसे हासिल हो चुकी है। एटीएस के सूत्रों ने बताया कि पिपराइच इलाके के युवक के आईएसआई कनेक्शन की जांच शुरू हुई तो पता चला कि गोवा में हनीट्रैप वाली युवतियां लापता हो गई हैं।

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर हड़प लिया 3.68 लाख

संवाददाता–गोरखपुर। रेलवे के ग्रुप डी में नौकरी दिलाने के नाम पर एक युवक से 3.68 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। हरपुर बुदहट पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर रोबिन कुमार नामक युवक पर जालसाजी और धमकाने का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बेलघाट थाना क्षेत्र के महुलिया गांव निवासी वीरेंद्र कुमार राव ने कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी रिश्तेदारी हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के अनन्तपुर गांव में है। रिश्तेदारी में आते–जाते समय उनका परिचय रोबिन कुमार पुत्र दिग्विजय निवासी रनियापुर थाना हरपुर बुदहट से हो गया। रोबिन कुमार ने रेलवे के ग्रुप डी में नौकरी दिलाने के नाम पर 3.66 लाख रुपये खाते, यूपीआई और नगद के रूप में लिया, लेकिन जब नौकरी नहीं लगी तो पैसा मांगने पर जानमाल की धमकी देने लगा। पीड़ित ने बताया कि स्थानीय थाने और एसएसपी के पास प्रार्थना पत्र दिया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिसके बाद उसने न्यायालय की शरण ली। एसओ विशाल उपाध्याय ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर रोबिन कुमार निवासी रनियापुर थाना हरपुर बुदहट पर केस दर्ज किया गया है।

जो बांटे दारू और नोट, उसको कभी न देंगे वोट

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय महनुआं खास में शनिवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। हाथों में जागरूकता स्लोगन लिखी तख्ती लिए छात्र–छात्राएं कतारबद्ध होकर गांव का भ्रमण किए। इस दौरान लोगों को पहले मतदान तब जलपान... का आह्वान किया। इसके अलावा वोट हमारा है अनमोल, कभी न लेंगे इसका मोल..., जो बांटे दारू और नोट, उसको कभी न देंगे वोट... जैसे नारों से शत–प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया। रैली को प्रधानाध्यापक संत कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान प्रधान नसीबुल्लाह खान, कमलेश पाण्डेय, नयनतारा, रीता देवी, रफीक, पुष्पा देवी, सुखराम आदि मौजूद रहे।

अपहरण का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। उस्का बाजार पुलिस ने अपहरण के एक आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। आरोपी को गिरफ्तार करने वाले एसआई खुशी लाल शर्मा ने बताया कि ओमकार सोनी उर्फ विष्णु पुत्र स्व.दिलीप कुमार निवासी बंजरिया थाना रेहरा जनपद बलरामपुर के खिलाफ धारा 363, 366 दर्ज है। वह फरार चल रहा था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 172/2023
न्यायालय– श्रीमान अपर सिविल जज (सी0डि0) स्थान–नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

शमीम
बनाम
श्रीमत शोभा देवी

1. श्रीमती शोभा देवी उम्र लगभग 53वर्ष पत्नी शमीम साकिन मौजा मुड़िला तप्पा थरौली परगना वो तहसील नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 24–07–2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **24–07–2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 /2024
धारा 16 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय (न्यायिक) बस्ती जिला बस्ती

रामचरन आदि
बनाम
अवधेश सिंह आदि

ग्राम साहूपार तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
1. अवधेश सिंह 2. अजय सिंह 3. राघवेन्द्र प्रताप सिंह 4. अश्वसनी सिंह 5. अवनीश सिंह पुत्रगण राम दरश सिंह साकिनान मौजा कोहलवा तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 6. दयाराम पुत्र शिव राम साकिन बनकटवा तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 7. पटेश्वरी पुत्र दुर्गा प्रसाद साकिन मल्हवारा तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 8. लल्लू 9. छटटू 10. भुईलोट पुत्रगण राम सहाय 11. विनय कुमार उर्फ बेचन पुत्र शिव सहाय साकिनान मौजा सुसीपार तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 12. ग्राम पंचायत साहूपार जरिये प्रधान ग्राम सभा साहूपार तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 13. सरकार उत्तर प्रदेश जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 06–06–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 06 माह 06 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 T 202117140313736
धारा 24 राजस्व संहिता 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय (न्यायिक) बस्ती जिला बस्ती

मकबूल
बनाम
रामतेज आदि

ग्राम गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती
1/1 रामचन्दर 1/2 हरिशचन्दर पुत्रगण रामबचन 2/1 राम चन्दर 2/2 हरिशचन्दर पुत्रगण रामबचन 3/1 सूर्यमणि उर्फ राम पियारे पुत्र राम मूरत 4/1 श्रीमती शीला पत्नी राम पियारे 6/1 कयूम 6/2 मुन्ना पुत्रगण मो0 हुसैन 7/1 दिलीप कुमार 7/2 प्रदीप कुमार 7/3 अनूप कुमार 7/4 अशोक कुमार पुत्रगण अष्टभुजा श्रीवास्तव साकिनान मौजा गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 29–05–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 29 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 C 202217000000240
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती

कौलेश्वर आदि
बनाम
अर्जुन आदि

1. गौरी शंकर पुत्र सुखारी 2. शम्भू पुत्र फागू 3. श्रीमती फूलमती पत्नी फागू साकिनान मौजा लमुईताल तप्पा हाटा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 13–06–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 13 माह 06 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 05 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 C 201917000000812
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती

मिठाई लाल
बनाम
मजीबुल्लाह आदि

1/1 सेराज अहमद 1/2 जमाल अहमद पुत्रगण मजीबुल्लाह 3 अनवर अली 4. कासिम अली पुत्रगण हनस मोहम्मद साकिनान खजुरिया तप्पा उजियार परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर

तारीख पेशी 02–07–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 02 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 17 माह 05 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कुसुम सिंह कामेश सिंह महाविद्यालय इटबहरा गौर–बस्ती (उ०प्र०)

आवश्यकता है

प्राचार्य पद– 01

स्नातक स्तर (कला संकाय) पाठ्यकम हेतु सहायक प्रोफेसर–प्राचीन इतिहास, हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, भूगोल, गृहविज्ञान, राजनीतिशास्त्र विषय हेतु 1–1 पद ।

स्नातक स्तर (विज्ञान संकाय) पाठ्यकम हेतु सहायक प्रोफेसर–वनस्पति विज्ञान, गणित, भौतिक विज्ञान, जन्तु विज्ञान विषय हेतु 1–1 पद व रसायन विज्ञान विषय हेतु 2 पद ।

योग्यताः– यू०जी०सी० एवं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के परिनियमावली के अनुसार उक्त पदों हेतु योग्य अभ्यर्थी विज्ञापन प्रकाशन से 21 दिनों के भीतर योग्यता सम्बन्धी समस्त वांछित प्रमाणपत्रों की स्वप्रमाणित छायाप्रति संस्थान के कार्यालय में प्रेषित करें।

(कामेश कुमार सिंह)
प्रबन्धक
मो०9838280008, 9335346708

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 671/2020
अदालत–श्रीमान दशम अति0 सिविल जज (जू0डी0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

राम सूरत आदि
बनाम
राम प्रकाश आदि

1. राम प्रकाश उम्र करीब 60 साल 2. सत्य प्रकाश उम्र करीब 50 साल पुत्रगण मंगरूराम साकिनान मौजा गोटवा तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3.राममूरत उम्र करीब 55 साल पुत्र त्रिवेणी साकिन वसुवापार तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 15–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–93/2023

1. चन्द्रमणि पाण्डेय पुत्र नागेश्वर पाण्डेय 2. अभय प्रकाश पाण्डेय पुत्र चन्द्रिका प्रसाद पाण्डेय 3. ओम प्रकाश पाण्डेय पुत्र अम्बिका प्रसाद पाण्डेय 4. अजय प्रकाश पाण्डेय पुत्र अम्बिका प्रसाद पाण्डेय समस्त निवासीगण टड़िया बाजार तप्पा हाटा परगना बांसी पश्चिम तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर हाल मुकाम थरौली जनपद सिद्धार्थनगर
–प्रार्थी/आवेदक
बनाम
इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 24–05–2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 05 के 24 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 719/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डी0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती कान्ती देवी
बनाम
श्रीमती सुषमा आदि

1. श्रीमती सुषमा उम्र 40 साल पत्नी सर्वजीत ग्राम वाकेचोर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 2. रामकृष्ण उम्र 80 साल 3. बलराम उम्र 75 साल पुत्रगण तमेसर निवासीगण ग्राम मुड़िला अव्वल तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती हाल मुकाम पड़सरा पोस्ट कटबन्ध जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 10–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक महोदय बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

मारकण्डेय आदि
बनाम
परमात्मा आदि

2. गनपति 3. गिरीश चन्द्र पुत्रगण ढुनमुन 4. अयोध्या पुत्र अमृत 5. राम उग्रह पुत्र वशिष्ठ 6. अनिरूद्ध 7. प्रभुनाथ पुत्रगण रामकृपाल 8. दीनानाथ 9. भवनाथ पुत्रगण विश्वमित्र 10. श्रीमती शशि पत्नी पदूम्मनाथ 11. राजेश 12. राकेश पुत्रगण शरदा 13. सूर्यमनि पुत्र जग प्रसाद 14. श्रीमती सावित्री पत्नी शारदा प्रसाद 15. संजय कुमार उर्फ राधेश्याम पुत्र झिनकू 16. श्रीनाथ पुत्र धनपत 17. श्रीमती कैलाशी पत्नी बंशनाथ 18. कृष्णनाथ पुत्र जमुना 19. उदयभान 20. अमरेश पुत्रगण हंसनाथ 21. बालमुकुन्द पुत्र जोखन 22. उमेश पुत्र हिरम्भनाथ 23. सुरेन्द्र पुत्र परमहंस 24. जनार्दन 25. जानवी 26. साहेब पुत्रगण रामा 27. श्रीमती जिकेवा पत्नी गनेश 28. वीरेन्द्र पुत्र गणेश साकिनान मौजा बरदही नानकार तप्पा पचहर परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
29. ग्राम पंचायत बरदही नानकार द्वारा ग्राम प्रधान निवासी ग्राम बरदही नानकार तप्पा पचहर परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 06–06–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 06 माह 06 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com